ई.एच.डी.-2

07975

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर - 2012

## ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

## ई.एच.डी.- 2 : हिन्दी काव्य

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. **किन्ही तीन** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(क) हेरी म्हा दरद दिवाणी म्हारां दरद न जाणयॉ कोय।
घायल की गति घाइल जाणै, कितिणा घाण होय।
जौहरी की गति जौहरी जाणै, क्या जाण्या जिण खोय।
दरद की मारयां दर-दर ढोल्यां बैद मिलणाना कोय।
मीरां री प्रभु पीर मिटांगा जब बैद सांवरिया होय।

(ख) लाल बिना बिरहाकुल बाल वियोग की ज्वाल भई झूरि झूरि।
पौन औ पानी सो प्रेम कहानी सौं पान ज्यौं प्रानीना राखत दूरी।
''देव जू'' आजु मिलाप की औछि सो बीतत देख बिसेख बिसूरी।
हाथ उठायो उड़ायवे को उड़ि काग गरे गिरि चारिक चूरी।

(ग) मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन सा है?
जिसके चरण निरंतर रतनेश धो रहा है
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही है
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन- सा है?

(घ) कनक छाया में जबकि सकाल
खोलती कलिका डर के द्वार,
सुरभि-पीड़ित मधुपो के बाल
तड़प, बन जाते है गुञ्जार;
न जाने ढुलक ओस में कौन
खींच लेता मेरे दृग मौन!
न जाने, नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मुझको मौन

(ङ) पर पीड़ा से पूर-पूर हो
थक-थक कर औ चूर-चूर हो
अमल-धवल गिरि के शिखरों पर
प्रियवर तुम कबतक सोये थे?
रोया यक्ष कि तुम रोये थे?
कालिदास सच-सच बतलाना।

(च) कानन में देख अस्थि-पुंज मुनिपुंगवों का
दैत्य-वध का था किया प्रण जब राम ने
''मतिभ्रष्ट मानवों के शोध का उपाय एक

शस्त्र ही है? पूछा था कोमलमना वाम ने
"नहीं प्रिये, सुधर मनुष्य सकता है तप,
त्याग से भी" उत्तर दिया था घनश्याम ने
"तप का परंतु, वश चलता नहीं सदैव
पतित-समूह की कुवृत्तियों के सामने।"

2. 'कुरूक्षेत्र' की विषय-वस्तु पर विचार करते हुए इसकी प्रासंगिकता बताइए। 16

3. मुक्तिबोध के काव्य में व्यक्त जीवन दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 16

4. प्रगतिवादी काव्य परंपरा के संदर्भ में केदारनाथ अग्रवाल के महत्व का उल्लेख कीजिए। 16

5. प्रसाद के काव्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 16

6. द्विवेदी युगीन हिन्दी-काव्य के स्वरूप और विकास पर प्रकाश डालिए। 16

7. रीतिमुक्त काव्य के आलोक में घनानंद के काव्य के महत्व का प्रतिपादन कीजिए। 16

8. सूरदास के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

9. जायसी द्वारा रचित 'पद्मावत' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8x2=16

(क) अपभ्रंश काव्य

(ख) धूमिल

(ग) कबीर की प्रासंगिकता

(घ) बिहारी की काव्य - कला

(ङ) नरेश मेहता